IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 3, February 2026
Impact Factor: 8.2

डिजिटल युग में नैतिक शिक्षा: भारतीय शिक्षा प्रणाली में अवसर और चुनौतियाँ

डॉ. अलका सक्सेना
प्रोफेसर शिक्षक शिक्षा विभाग
डी.बी.एस. कॉलेज कानपुर

भास्कर शुक्ला
शोधार्थी शिक्षक शिक्षा विभाग
डी.बी.एस. कॉलेज कानपुर

bksm12267@gmail.com

सारांश

डिजिटल युग ने शिक्षा को नई दिशा और गति दी है। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के तीव्र विकास ने ज्ञानार्जन के अवसरों को तो बढ़ाया है, लेकिन इसके साथ-साथ नैतिकता, मूल्यों और चरित्र निर्माण से जुड़ी चुनौतियाँ भी उत्पन्न की हैं। साइबर बुलिंग, फेक न्यूज़, डिजिटल लत और सोशल मीडिया पर असंवेदनशीलता जैसी समस्याओं ने विद्यार्थियों के मानसिक और नैतिक विकास को प्रभावित किया है। वहीं, यही तकनीक ई-लर्निंग, मूल्य-शिक्षण ऐप्स और गेमिफिकेशन जैसे नए साधन भी लेकर आई है, जिनसे नैतिक शिक्षा को आधुनिक और रोचक बनाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नैतिक शिक्षा को पुनः केंद्र में रखा है, जिसमें सत्य, प्रेम, अहिंसा, शांति और धर्मात्मकरिता जैसे सार्वभौमिक मूल्यों को प्रमुख स्थान दिया गया है। यह शोधपत्र डिजिटल युग में नैतिक शिक्षा की अवधारणा, वर्तमान स्वरूप, चुनौतियों और अवसरों का विश्लेषण करता है, साथ ही शिक्षक, परिवार और समाज की भूमिकाओं पर भी प्रकाश डालता है।

मुख्य शब्द: नैतिक शिक्षा, डिजिटल युग, मूल्य शिक्षा, NEP 2020, शिक्षक प्रशिक्षण, साइबर बुलिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता